250 सीसीटीवी खंगाले, 200 से की पूछताछ, तब पकड़ाए मंदिर में तोड़फोड़ के आरोपी

खास बातें

- सोने व बेशकीमती धातु की मूर्ति मानकर चोरी की नीयत से मंदिर में घुसे थे बदमाश
- करीला आने-जाने के दौरान बदमाशों की नजर में आया था मंदिर
- ग्राम गोपाल नगर के एक हजार वर्ष प्राचीन भगवान विष्णु मंदिर का मामला

नवभारत न्यूज

सिरोंज 15 फरवरी, सिरोंज क्षेत्र के ग्राम गोपालनगर में करीब एक हजार वर्ष से अधिक पुराने भगवान विष्णु के मंदिर में मूर्ति खंडित करने वाले बदमाशों को पकड़ने में पुलिस को सफलता मिली है. मामले में गठित पुलिस टीम ने सिरोंज, महानीम चौराहा, बैरसिया से लेकर भोपाल तक कई जगहों के करीब 250 सीसीटीवी फुटेज खंगाले. करीब 200 लोगों से पूछताछ की. तब जाकर मंदिर में मूर्ति खंडित करने के आरोपी पुलिस की पकड़ में आये. जानकारी मिली है कि पूर्व में बदमाश क्षेत्र के प्रसिद्ध करीला धाम आते जाते रहते थे. इस दौरान मार्ग में आने वाले इस प्राचीन, ऐतिहासिक मंदिर पर बदमाशों की नजर पड़ी. बदमाश इस प्राचीन मंदिर की मूर्ति सोने व बेशकीमती धातु की मानकर चोरी की नियत से मंदिर में घुसे थे. पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है.एसडीओपी सोनू डाबर ने बताया कि बीती 9 फरवरी को सूचना मिली कि सिरोंज क्षेत्र के ग्राम गोपालनगर में करीब एक हजार वर्ष पुराने भगवान विष्णु के मंदिर में अज्ञात व्यक्ति द्वारा मंदिर का ताला तोड़कर विष्णु भगवान की मूर्ति को खंडित कर दिया है. यह मंदिर राज्य संरक्षित स्मारक में शामिल है. इस सूचना पर तत्काल एसडीओपी सोनू डावर, थाना प्रभारी दीपनाखेड़ा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. मंदिर के गार्ड गोलू उर्फ उमाकांत निवासी ग्राम गोपालनगर की रिपोर्ट पर थाना दीपनाखेड़ा में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया. इस दौरान पुलिस की एफएसएल टीम भोपाल व फिंगरप्रिंट टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया. मामले को लेकर क्षेत्र में लोगों में काफी आक्रोश दिखाई दिया. इस दौरान लोगों ने प्रदर्शन कर तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी. वही सिरोंज विधायक, कुरवाई विधायक सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे थे. मामले में पुलिस अधीक्षक विदिशा द्वारा अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी हेतु दस हजार रुपये के ईनाम की घोषणा भी की गई. एवं अज्ञात आरोपी की तलाश पतारसी हेतु एक विशेष टीम गठित की गई. पुलिस टीम द्वारा एएसपी डॉ. प्रशांत चौबे के निर्देशन तथा एसडीओपी सिरोंज सोनू डावर, एसडीओपी लटेरी अमरेश बोहरे के मार्गदर्शन में लगातार आरोपियों की तलाश पतारसी की गई. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के 250 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए. जिनसे महत्वपूर्ण सुराग मिले. वही करीब 200 से अधिक लोगों से पूछताछ एवं तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर एक संदिग्ध मोटरसाइकिल एवं उसके चालक की पहचान की गई. इस दौरान 14 फरवरी को भोपाल-सिरोंज रोड पर ग्राम सुहाया के पास संदिग्ध मोटरसाईकिल को रोककर चालक दीपक परोचे व उसके साथी राकेश कहार से पूछताछ की गई.

मामले में पुलिस ने आरोपी राकेश कहार उर्फ बब्लू इंदौरी उम्र 55 साल निवासी रतन कालोनी करोंद थाना निशातपुरा भोपाल, दीपक परोचे उम्र 32 साल निवासी रतन कालोनी करोंद थाना निशातपुरा भोपाल को गिरफ्तार किया गया.

पुलिस ने आरोपियों से घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल, हेलमेट व एक लोहे की रॉड को जप्त किया है. पुलिस की इस कार्यवाही में एसडीओपी सिरोंज सोनू डावर, एसडीओपी लटेरी अमरेश बोहरे, निरीक्षक विमलेश राय, थाना प्रभारी दीपनाखेड़ा प्रकाश भिलाला, थाना प्रभारी मुरवास लक्ष्मण डावर, थाना प्रभारी मुगलसराय के.के. पवार, उपनिरीक्षक लाल बहादुर सिंह, प्रधान आरक्षक दीपक सिंह सेंगर, प्रधान आरक्षक रोहित रैकवार साइबर सेल विदिशा, आरक्षक अमित खैरविया, आरक्षक राजकुमार, आरक्षक सचिन जाट थाना मुरवास, आरक्षक रवि जाट थाना मुरवास की सराहनीय भूमिका रही.

करीला आने-जाने के दौरान मंदिर पर पड़ी थी नजर, वारदात से पहले मंदिर भी गए थे बदमाश

एसडीओपी सोनू डाबर ने बताया कि जानकारी मिली है कि बदमाश पूर्व में क्षेत्र के प्रसिद्ध करीला मंदिर आते जाते रहे है. इस दौरान बदमाशों की नजर इस प्राचीन एवं ऐतिहासिक भगवान विष्णु के मंदिर पर पड़ी थी. रात्रि के समय हुई इस वारदात के पूर्व सायं को बदमाश इस प्राचीन मंदिर में भी गये थे. वही बदमाश मंदिर में भगवान की सोने व बेशकीमती मूर्ति मानकर चोरी की नियत से मंदिर में घुसे थे. वारदात के समय बदमाशों ने मंदिर की मूर्ति तोड़ दी. जब बदमाशों को मूर्ति पत्थर की होने की जानकारी मिली, तो बदमाश खंडित मूर्तियों को छोड़कर चले गये.

आरोपियों पर घोषित था 10 हजार का इनाम

एसडीओपी सोनू डाबर ने बताया कि मामले की गंभीरता व संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विदिशा द्वारा अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी हेतु दस हजार रुपये के ईनाम की घोषणा भी की गई थी. मामले में अज्ञात आरोपी की तलाश पतारसी हेतु एक विशेष टीम गठित की गई थी. उन्होंने बताया कि मामले में शामिल एक आरोपी पर अन्य थाने में भी अपराध दर्ज होने की जानकारी मिली है. मामले में पुलिस की पूछताछ एवं जांच जारी है. आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड की मांग करेगी.

पुलिस ने सिरोंज से भोपाल तक के सीसीटीवी खंगाले

एसडीओपी सोनू डाबर ने बताया कि मामले में गठित पुलिस टीम द्वारा सिरोंज, महानीम चौराहा, बैरसिया से लेकर भोपाल तक कई ग्रामीण व शहरी इलाके के करीब 250 सीसीटीवी फुटेज खंगाले. इसके साथ ही तकनीकी साक्ष्य के आधार पर संदेही मोटरसाईकिल व उसके चालक की तलाश पतारसी की गई. तब जाकर इस प्राचीन भगवान विष्णु मंदिर में मूर्ति खंडित करने के आरोपी पुलिस की पकड़ में आ सके. जानकारी के अनुसार भगवान विष्णु का यह मंदिर करीब एक हजार वर्ष से अधिक प्राचीन बताया जाता है. यह मंदिर राज्य संरक्षित स्मारक में शामिल है. मंदिर की प्राचीनता को देखते हुए बदमाशों को मंदिर की मूर्तियां बेशकीमती धातु से बनी होने का अनुमान लगाया था. जिनको चुराने की नियत से बदमाश मंदिर में घुसे.

अधिक रेट शराब बिक्री का वीडियो हुआ वायरल

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, रेलवे स्टेशन स्थित शराब दुकान का अधिक रेट पर बिक्री का वायरल वीडियो सामने आने के बाद आबकारी विभाग हरकत में आया.गंजबासौदा आबकारी अधिकारी रवि धाकड़ ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए पेनल्टी लगाई गई है तथा रिपोर्ट जिला आबकारी अधिकारी को भेजी गई है. जहां से बड़ी कार्रवाई की संभावना है.

महाराष्ट्र से 5 महिला मजदूरों की सुरक्षित वापसी

सोलापुर और बीड पुलिस से समन्वय कर विदिशा पुलिस ने की कार्रवाई

नवभारत न्यूज

विदिशा, पुलिस ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए महाराष्ट्र में फंसी पांच आदिवासी महिला मजदूरों और उनके साथ गए चार नाबालिग बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू कर उनके घर वापस पहुंचाया है. गुलाबगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सुआखेड़ी और करारिया थाना क्षेत्र के ग्राम रुसल्ली की रहने वाली पांच महिला मजदूरों को रोजगार का झांसा देकर महाराष्ट्र के बीड और सोलापुर ले जाया गया था.वहां उनसे जबरन काम कराया जा रहा था और मजदूरी भी नहीं दी जा रही थी. सूचना मिलते ही विदिशा पुलिस ने महाराष्ट्र पुलिस से समन्वय कर कार्रवाई की और सभी महिला मजदूरों व बच्चों को सुरक्षित मुक्त कराया.वहीं पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी का कहना है कि हमको एक शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें करारिया और गुलाबगंज के लोगो कुछ लोगों को मजदूरी के लिए ले जाया गया था उन्हें वहां ठीक से मजदूरी भी नहीं दी जा रही थी और परेशान किया जा रहा था हमने सोलापुर पुलिस और बीड पुलिस से संपर्क किया सकुशल सभी को वापिस लाया गया इसमें बीड पुलिस उचित करवाही कर रही है.महिला मजदूरों की सकुशल घर वापसी के बाद परिजनों ने विदिशा पुलिस का आभार जताया.

8 माह पहले की लव मैरिज, रिश्तों में आई दरार, सखी सेंटर ने संभाला परिवार

वन स्टॉप सेंटर ने नवविवाहित दंपति का रिश्ता टूटने से बचाया

नवभारत न्यूज

विदिशा, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी), विदिशा ने मानवीय संवेदनशीलता और प्रभावी परामर्श के माध्यम से एक नवविवाहित दंपत्ति के रिश्ते को टूटने से बचाकर सराहनीय कार्य किया है.महज 8 माह पूर्व प्रेम विवाह करने वाले इस दंपत्ति के बीच आपसी विवाद इतना बढ़ गया था कि संबंध समाप्त होने की स्थिति निर्मित हो गई थी. ऐसे में महिला द्वारा वन स्टॉप सेंटर से संपर्क कर काउंसलिंग की सहायता मांगी गई.सेंटर में विशेषज्ञों द्वारा दोनों पक्षों की नियमित काउंसलिंग कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया, गलतफहमियों को दूर किया गया तथा आपसी संवाद स्थापित करने के लिए प्रेरित किया गया। सकारात्मक पहल के तहत सेंटर में ही पति द्वारा पत्नी को फूल, मिठाई एवं उपहार भेंट कर रिश्ते में नई मिठास घोलने का प्रयास किया गया. इस भावनात्मक पहल का सकारात्मक परिणाम सामने आया और दंपत्ति ने आपसी सहमति से साथ रहने एवं अपने संबंध को मजबूत बनाने का निर्णय लिया.

मिशन शक्ति के अंतर्गत मिल रही समग्र सहायता

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटर वर्ष 2018 से जिला स्तर पर निरंतर कार्यरत है. इस केंद्र के माध्यम से घरेलू हिंसा एवं अन्य प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही छत के नीचे नि:शुल्क एवं समग्र सहायता प्रदान की जाती है.

उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से अब तक 7000 से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं को सहायता प्रदान की जा चुकी है. साथ ही प्रारंभ से अब तक 6458 महिलाओं का परिवार में पुनर्वास कराया गया है. वर्तमान वर्ष में 1150 से अधिक प्रकरणों में विभिन्न विभागों के समन्वय से परामर्श, कानूनी सहायता एवं पुनर्वास सुनिश्चित किया गया है.

पार्षद प्रतिनिधियों की बैठक में गदर सीएमओ को थमाया नोटिस

नवभारत न्यूज

विदिशा , नगर पालिका परिषद विदिशा में प्रशासनिक खींचतान का मामला सामने आया है. जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीएमओ को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है. नोटिस में परिषद की बैठक में पार्षदों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति को लेकर स्पष्टीकरण मांगा गया है.

जारी पत्र में उल्लेख किया गया है कि पूर्व में जिला कलेक्टर, विदिशा द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि निर्वाचित सदस्य के स्थान पर उनके प्रतिनिधि परिषद की बैठकों में शामिल नहीं होंगे तथा निर्वाचित सदस्य स्वयं उपस्थित रहेंगे. इसके बावजूद परिषद की बैठकों में निरंतर प्रतिनिधियों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है, जो मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के विपरीत बताई गई है. हाल ही में संपन्न परिषद बैठक में भी निर्वाचित सदस्य के स्थान पर उनके प्रतिनिधि के उपस्थित होने की शिकायत संज्ञान में आई. इसे वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना माना गया है.

योजना अधिकारी ने सीएमओ को निर्देशित किया है कि वे दो दिवस के भीतर स्वयं उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें. अन्यथा की स्थिति में उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा. अब सीएमओ के जवाब के बाद ही मामले में आगे की कार्रवाई की दिशा स्पष्ट हो सकेगी.

उदयपुर मेले में लगाए गए हेल्थ कैंप से श्रद्धालु लाभान्वित

87 का स्वास्थ्य परीक्षण, 37 आयुष्मान कार्ड एवं 62 आभा आईडी बनाई गई

नवभारत न्यूज

विदिशा, बासौदा के उदयपुर मेले में श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंदिर परिसर में विशेष हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया, जिसका लाभ बड़ी संख्या में दर्शनार्थियों ने प्राप्त किया. मेले में लगाए गए इस स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से श्रद्धालुओं को नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, आयुष्मान कार्ड एवं आभा आईडी बनाने की सुविधा प्रदान की गई.

सीएमओ से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाम 4 बजे तक हेल्थ कैंप में कुल 87 व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया.स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों द्वारा श्रद्धालुओं की सामान्य जांच कर आवश्यक परामर्श एवं दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई.इसके साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के उद्देश्य से कैंप में 37 आयुष्मान कार्ड बनाए गए, जिससे पात्र हितग्राहियों को पांच लाख रुपये तक की नि:शुल्क उपचार सुविधा का लाभ मिल सकेगा। वहीं 62 श्रद्धालुओं की आभा आईडी भी बनाई गई, जिससे उनका डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जा सकेगा और भविष्य में उपचार के दौरान सुविधा प्राप्त होगी.

मेले में लगाए गए इस हेल्थ कैंप से श्रद्धालुओं को त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं, जिससे उन्हें उपचार के लिए अन्यत्र जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है.यह पहल श्रद्धालुओं की सुविधा एवं स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है.स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेले की अवधि में निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को तत्काल उपचार मिल सके.

माधव उद्यान में लगाई जाए ताम्रकार की प्रतिमा

नवभारत न्यूज

विदिशा, नपा के पूर्व अध्यक्ष स्व.अशोक ताम्रकार की पुण्यतिथि पर सुबह 8 बजे माधव उद्यान में पुष्पांजलि सभा की गई जिसमें सभी ने मुख्य रूप से माधव उद्यान जैसी सौगात देने वाले अशोक ताम्रकार की मूर्ति माधव उद्यान में लगाई जाए यह बात एक फ्रेंड्स और सभी जो लोग रोज माधव उद्यान में घूमने आते हैं उन्होंने मुख्य रूप से कहीं. इसके बाद सार्वजनिक भोजनालय सेवा समिति में निशक्त जनों को भोजन दोपहर को 12 बजे सुंदरकांड का आयोजन और श्रद्धांजलि सभा हुई. जिस दौरान मोहित रघुवंशी ,डॉक्टर निगम ,डॉक्टर नवीन शर्मा ,अतुल शाह ,अतुल तिवारी ,वैभव भारद्वाज ,रणधीर सिंह ठाकुर अरविंद श्रीवास्तव, लोकेश लोया,सुभाष बोहत, राजेश दुबे, आशीष मनोरिया, अतुल यादव, अर्पित उपाध्यक्ष, अरुण अवस्थी, बलराम डांगी ,संतोष नेमाआदि उपस्थित रहे.

आयोजन | 100 फीट ऊपर डोम पर शिखर का शिलान्यास संपन्न

शीतलधाम में समवसरण मंदिर की मुख्य वेदी का शिलान्यास

नवभारत न्यूज

विदिशा, 1008 भगवान श्री शीतलनाथ स्वामी के समवसरण का कार्य अंतिम चरण में चल रहा है,रविवार को मुख्य बेदी का एवं 100 फिट की ऊंचाई पर डोम के ऊपर शिखर बनाने के लिये शिलान्यास विदिशा नगर में विराजमान संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागरजी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य एवं विद्या शिरोमणि आचार्य समयसागर महाराज के आज्ञानुवर्ती निर्यापक श्रमण मुनि श्री संभवसागर,मुनि श्री निस्सीम सागर,मुनि श्री संस्कार सागर स संघ सानिध्य में बाल ब्र.तरुण भैया इंदौर के निर्देशन में मुम्वई निवासी धर्मानुरागी गुरुभक्त परिवार श्री प्रशांत जैन,श्रीमती दिव्या जैन के कर कमलों से मध्यप्रदेश शासन के पूर्व वित्तमंत्री जयंत मलैया एवं श्रीमति सुधा मलैया परिवार के द्वारा संपन्न हुआ प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया मंच से घोषणा की गई कि उपरोक्त बेदी एवं शिखर का कार्य लगभग चार माह में पूर्ण हो जायेगा इस अवसर मुनि श्री के आशीर्वाद से शीतलविहार न्यास ट्रस्ट के कयी नये ट्रस्टी सदस्य बने उन सभी का स्वागत शीतलविहार न्यास के अध्यक्ष सचिन बसंत जैन मंत्री मोहन जैन नमकीन कोषाध्यक्ष राजेश जैन एवं उपाध्यक्ष संजय भंडारी, रविन्द्र जैन एवं ट्रस्टीओं ने किया इस अवसर मुनि श्री ने 18 वर्ष पूर्व की स्मृतियों को ताजा करते हुये कहा कि जब 2008 में गुरुदेव के साथ इतना विशाल समवसरण जो आसमान में अपनी ऊंचाइयों को छू रहा है,एवं पूर्ण होंने को है,इस विशाल समवसरण मंदिर का सिलान्यास किया था,और आज वह इतनी अधिक ऊंचाइयों को छू रहा है

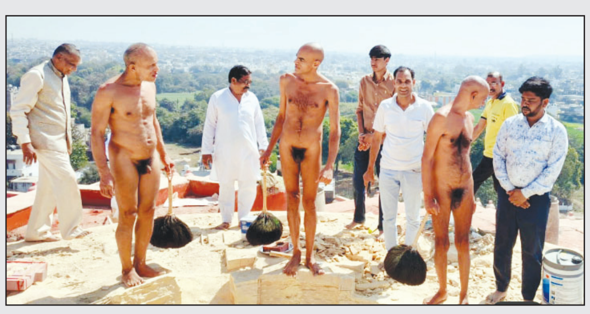

मुनि श्री ने कहा कि कल जब अंतिम छत्र स्थापित करने ऊपर गये तो ऐसी मनोहारी कारीगरी का दृश्य था कि लगा कि हम साक्षात आरिहंत भगवान के समवसरण में ही प्रवेश कर रहे हों फिर पहली मंजिल दूसरी मंजिल तथा तीसरी मंजिल से होते हुये जब 100 फिट ऊपर डोम पर पहुंचे तो वंहा से जब विदिशा को देखा तो लगा कि विदिशा बहूत छोटा हो गया है उस समवसरण के सामने मुनि श्री ने कहा कि हमने बहूत से स्थान पर मंदिर के ऊपर की चावी(छत्र) रखवाई है लेकिन वह एक पीस में हुआ करती थी लेकिन भगवान शीतलनाथ स्वामी के समवसरण का मंदिर इतना विशाल है,कि कोई भी क्रैन एक पत्थर को वंहा नहीं ले जा सकती तो वंहा पर आर्किटेक्ट ने चार पत्थरों का शिल्पांकन किया जिसमें एक पत्थर का बजन नौ टन था जिसे चार दिन के स्थान पर तीन दिनों में यह कार्य पूर्ण कर लिया उन्होंने उन समस्त कारीगरों को आशीर्वाद देते हुये कहा कि इस समवसरण को बनाने में न जाने कितने लोगों का धन लगा होगा धन लगाने वाले तो धन लगाते है लेकिन कल जब हमने उन कारीगरों की कारीगरी देखी तो लगा मंदिर दान से नहीं बल्कि उन कारीगर तथा मजदूरों का पसीना लगा है मंदिर बनाने वाले सच्चे सेबक तो वही है,उन्होंने कहा कि इतनी ऊंचाई पर पत्थर का कार्य करना कोई सहज नहीं हैं, विना समर्पण के कोई कार्य नहीं होता जरा सी चूक बहूत बड़ी समस्या को खड़ी कर सकती थी लेकिन सभी इंजीनियर आर्कीटेक्ट और कारीगरों ने सावधानी और समर्पण तथा धैर्य से अपने कार्य को पूर्ण संपादित किया जिससे आज हम सभी लोग विशिष्ट मुहुर्त में भगवान शीतलनाथ स्वामी के चार कल्याणकों से सुशोभित भद्दिलपुर भेलसा में यह कार्य संपन्न हुआ मुनि श्री ने कहा कि आज से लाखों लाखों वर्ष पूर्व जब भगवान शीतलनाथ स्वामी को इसी धरती पर केवलज्ञान हुआ तो सौधर्म इंद्र ने कुवेर को समवसरण लगाने का आदेश दिया और तत्क्षण कुवेर ने वह समवसरण की रचना कर दी जो साड़े सात योजन का था (अर्थात 75 कि. मी वर्गाकार ऐरिया) जिसमें सभी 12 सभाओं में असंख्यात देवी देवताओं के साथ असंख्यात जीव विराजमान होते थे मुनि श्री ने कहा कि आज लाखों वर्षों के पश्चात इतिहास आचार्य गुरुदेव के आशीर्वाद से पुन: दौहरा रहा है.उन्होंने विदिशा नगर के सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुये कहा कि सभी घरों और परिवार के सदस्यों को मुख्य बेदी पर एक शिलाअवश्य स्थापित करना चाहिये.जिससे हजारों हजार वर्ष तक आपके परिवार को समवसरण का यह आशीर्वाद प्राप्त होता रहे.प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया इसअवसर पर सकल दि. जैन समाज के समस्त पदाधिकारी और हजारों की संख्या में भक्त धर्म श्रदालु उपस्थित थे.

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के वार्षिकोत्सव के द्वितीय दिवस श्री पंच परमेष्ठी विधान सानंद हुआ सम्पन्न

नवभारत न्यूज

विदिशा, श्री शीतलनाथ भगवान के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के वार्षिकोत्सव के अवसर पर आयोजित त्रिदिवसीय मंगल आयोजन किया जा रहा है. प्रवक्ता डॉ मक्खन लाल जैन ने बताया कि पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के वार्षिकोत्सव के द्वितीय दिवस श्री पंच परमेष्ठी विधान सम्पन्न हुआ.यह आयोजन 14 फरवरी शनिवार से 16 फरवरी सोमवार 2026 तक श्री शीतलनाथ दि. जैन बड़ा मंदिर, अंदर किला, विदिशा में आयोजित किया जाएगा.

जयपुर से पधारे विद्वान पं स्वानुभव शास्त्री द्वारा आध्यात्मिक प्रवचन का लाभ मिला ।उन्होंने बताया कि पांच परमेष्ठी लघु विधान जैन धर्म में किया जाने वाला एक भक्तिमय विधान है, जिसमें पांच परम पूज्य पदों - अरहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु - की स्तुति और पूजा की जाती है. इस विधान

का उद्देश्य इन पांचों परमेष्ठी के गुणों का स्मरण कर अपनी आत्मा को शुद्ध बनाना, कर्मों का क्षय करना और मोक्ष मार्ग पर आगे बढ़ना है.इसमें भक्ति, ज्ञान और वैराग्य के माध्यम से आत्म-कल्याण की भावना प्रबल होती है.यह श्री पंच परमेष्ठी विधान, जिसमें पंच परमेष्ठी को नमस्कार किया गया है,अरहंत भगवान आप विमल गुणों से युक्त, अठारह दोषों से रहित, और भगवंत हैं.यदि मैं आपको द्रव्य-गुण-पर्याय से जान लूं, तो सहज ही मेरे सभी भव-ताप नष्ट हो जाएंगे.सिद्ध भगवान अनंत गुणों से वंदित, आठ गुणपतियों को नमन.आप ध्रुव, अचल, अनुपम स्वर्गत्वमय हैं, और आठ कर्मों का विनाश करके मोक्ष को प्राप्त हुए हैं.

प्रभु, मुझे आशीर्वाद दें ताकि मैं भी मोह-आवरण का क्षय कर सकूं.आचार्य भगवान आप छत्तीस मूलगुणों के पालक और संघ के आचार्य हैं.षडावश्यक धर्म, तप, आचार और गुप्ति आपके प्रमुख कार्य हैं.आप भगवती दीक्षा देने में महान सुपात्र हैं.मैं आपको गुरु मानकर चिन्मात्र को जान सकूं, मेरा आपको नमन है1उपाध्याय भगवान आप पच्चीस दिव्य गुणों को धारण करने वाले उपाध्याय हैं। आप भावश्रुत का ज्ञान करके अपना मनन करते हैं और आठों पहर पठन-पाठन में लीन रहते हैं। आपके चरणारविंदों में मेरा सतत प्रणाम है.साधु भगवान आप निर्ग्रन्थ साधु-मुनि हैं, अट्ठाईस गुणों को धारण करते हैं, और मुक्ति के पथ पर अडिग अधिकारी प्रभु हैं.मेरे हृदय में यह भावना है कि मैं आपके पथ पर चलूं और मेरे सारे दोषों का विनाश हो, यह साधना सफल हो.